सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 11 • अंकः 300 पृष्ठः 8 • लखनऊ, सोमवार 8 दिसम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

हजार छूरों की तुलना में चार विरोधी अखबारों से अधिक डरना चाहिए।
– नेपोलियन बोनापार्ट

ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन टैस्ट आठ विकेट... 7 | अंबेडकर पार कराएंगे सियासी... 3 | पूंजीवादी ताकतें सरकार पर हावी... 2

सिसकती सांसें, बेबस लोग

गोवा हो या गुजरात नहीं सुधर रहे हालात

» आग हो या इंडिगो! चारो ओर त्राहिमाम पिस बेबस जनता ही रही है!

» मंत्री का इस्तीफा नहीं होता, अफसर की नौकरी नहीं जाती

» बीजेपी की सरकार व्यवस्था वहीं पुरानी जिम्मेदार कौन?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात हो या गोवा, दिल्ली हो या फिर यूपी सभी जगह बातें बड़ी-बड़ी, सुरक्षा का ढिंढोरा लेकिन नतीजा वही ढाक के वही तीन पात ही निकलता है। कभी चलती बस में जनता स्वाहा हो रही है तो कभी नाइट क्लब में, आखिर आदमी क्या करें कौन सुरक्षा की गारंटी ले। हादसे कहीं भी कभी भी घटित हो सकते हैं इसमें दो राय नहीं लेकिन हादसों के बाद सरकारों ने क्या किया, नियम कानूनों का कितना पालन हुआ यह देखने वाली बात है और इस पर सवाल उठाना लाजमी है।

अभी हाल ही में बसों के डिजाइन पर एक बड़ा खुलासा हुआ है और सड़क पर दौड़ती लग्जरी बसों के डिजाइन में कमी की बात सामने आयी है। एक बार फिर सवाल वही है कि जिम्मेदार कौन। गुजरात में कोचिंग सेंटर में आग लगी। दर्जनों बच्चे स्वाहा हो गये। लेकिन क्या हादसे के बाद नियमों के तहत कोचिंग सेंटर/स्कूल/बच्चों के ट्रेनिंग सेंटर को लेकर सरकार के रवैये में कोई बदलाव आया। लखनऊ हो या लुधियाना सभी जगह आप को नियमों के विपरीत काम हो जाएगा बस आप के पास घूस की व्यवस्था होना चाहिए।

क्या सदन देश को यह बताएगा कि इन दुर्घटानों का जिम्मेदार कौन

चारों ओर बीजेपी की सरकार

गुजरात में भी बीजेपी, गोवा में भी बीजेपी तो फिर जवाबदेही भी बीजेपी की ही बननी चाहिए। आज संसद में 10 घंटे चर्चा का प्रस्ताव है? क्या आज की चर्चा में विपक्ष द्वारा सरकार पर जिन मुददों के लेकर दबाव बनाया जरा है उन मुददों पर चर्चा होगी या फिर सरकारी योजनाओं के बखान पर ही समय दिया जाएगा। क्या सदन देश को यह बताएगा कि इन दुर्घटानों का जिम्मेदार कौन है? और उसे क्या सजा दी गयी!

सवाल जनता का जवाब कौन देगा?

- जब नाइट क्लब में आग लगी तो दोषी कौन?
- जब कोचिंग सेंटर में आग लगी तो दोषी कौन?
- जब लग्जरी बस जल गई तो दोषी कौन?
- जब अस्पताल में आग लगी तो दोषी कौन?
- होटल में धुआं फैला तो दोषी कौन?

इन सवालों के या फिर इस तरह के सवालों के हमेशा जवाब एक ही मिलेंगे कि प्राथमिक जांच में लापरवाही पाई गयी है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। मुआवजा दिया जाएगा। पर आज तक एक भी जनप्रतिनिधि, मंत्री, अपर मुख्य सचिव, फायर विभाग प्रमुख कितनों को हटाया गया कितने हटाए गए? गिनकर बताइए शायद उंगलियां बच जाएंगी।

यूपी सड़क हादसे सरकारी लापरवाही के नतीजे

यूपी में चलने वाली लंबी दूरी की डबल डेकर लग्जरी बसों में एक हालिया खुलासे में बताया गया है कि इनके डिजाइन में ही गंभीर सुरक्षा खामियां हैं। यानी सड़क पर दौड़ती बस पहले से संभावित ताबूत की तरह डिजाइन की गई है। रात में बस जले दिन में हंगामा हो फिर भी बस निर्माता क्लीन, अनुमति देने वाला विभाग क्लीन, कंपनी क्लीन। क्लीन क्यों? क्योंकि लोगों की मौत में दोषी ढूंढने का सिस्टम पूरे देश में सेट है।

गोवा हादसा तिड़कझाम और भ्रष्टाचार का दलदल

गोवा के जिस रिसार्ट में लाग लगी और 25 लोगों की मौत हो गयी वह अवैध जमीन पर बना हुआ बताया जा रहा है। गांव के सरपंच के मुताबिक उस रिसार्ट पर काफी पहले ही बुल्डोजर चल जाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब हादसे के बाद सरकार जागी है और गोवा के मुखयमंत्री प्रमोद सांवत ने कड़ी कार्रवाई की बात कही है। लेकिन घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी जिम्मेदार लोग फरार है। जो लोग भी हादसे का कारण होते है वह छुप जाते हैं और बाद में उन्हें सिस्टम बचा लेता है। पूर्व में हुए ऐसे कई बड़े हादसे जिंदा मिसाल है। क्या इन्ही दिनों घटित गुजरात का झूला हादसा आप भूल गये जिसमें एक घड़ी निर्माता कंपनी को मेंटेंस का टेंडर अलाट कर दिया गया था और हादसा घटित हुआ क्या कोई बताएगा कि उस हादसे के जिम्मेदार लोगों को कितनी सजा हुई। क्या वह जेल गये?

सड़क पर दौड़ती लग्जरी बसों के डिजाइन में कमी की बात सामने आयी

पूंजीवादी ताकतें सरकार पर हावी हो रही हैं, सरकार बेबस : अखिलेश यादव

» **बोले सपा प्रमुख- चंदे की वजह से इंडिगो पर कार्रवाई नहीं कर रही मोदी सरकार**

» **सपा का भाजपा पर तीखा हमला**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंडिगो मामले को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार व भाजपा पर तीखा हमला किया है। यूपी के पूर्व सीएम ने आरोप लगाया कि इंडिगो द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड में चंदा दिए जाने के कारण एयरलाइन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यादव ने कहा कि यह घटना इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे पूंजीपति ताकतें सरकार पर हावी हो रही हैं, जिससे सरकार बेबस है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को इंडिगो एयरलाइन में चल रहे संकट को लेकर बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। जारी एक वीडियो में, अखिलेश यादव ने गंभीर आरोप लगाया कि एयरलाइन पर इलेक्टोरल बॉन्ड के चंदे की वजह से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा,सरकार बिना किसी वजह के इंडिगो पर दबाव नहीं डाल रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इंडिगो ने उन्हें इलेक्टोरल बॉन्ड दिए थे। यादव ने आगे कहा कि इंडिगो के पास तैयारी करने के लिए काफी समय था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने इस स्थिति को देश में पूंजीपतियों के सरकार पर हावी होने का उदाहरण बताया। उन्होंने जोर देकर कहा, यह पहला साफ उदाहरण है जो दिखाता है कि पूंजीवादी ताकतें सरकार पर हावी हो रही हैं और सरकार के पास कोई रास्ता नहीं है।

एयरलाइन क्षेत्र में 'एकाधिकार' बना रहने तक हवाई किराये की सीमा लागू रहनी चाहिए : चिंदबरम्

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि नागर विमानन मंत्रालय आखिरकार जाग गया है, और उन्होंने मांग की कि एयरलाइन क्षेत्र में एकाधिकार बना रहने तक इस तरह की मूल्य नियंत्रण व्यवस्था लागू रहनी चाहिए। 'इंडिगो' के परिचालन में व्यवधान के कारण पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों उड़ानें रद्द और विलंबित हुईं, जिससे देश भर में हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "मुझे खुशी है कि नागर विमानन मंत्रालय आखिरकार जाग गया है और उसने इकोनॉमी क्लास के किराये की सीमा तय कर दी है।" उन्होंने कहा कि एयरलाइन क्षेत्र में एकाधिकार बना रहने तक, इकोनॉमी क्लास में किराया सीमा लागू रहनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, "कड़ी प्रतिस्पर्धा के अभाव में, जनहित की रक्षा का एकमात्र उपाय कीमतों पर नियंत्रण है।" इससे पहले, उन्होंने कहा था कि इंडिगो के परिचालन में व्यवधान और देश भर के हवाई अड्डों पर "अराजक माहौल" इंडिगो प्रबंधन, नागर विमानन मंत्रालय, डीजीसीए और पूरी सरकार की भारी विफलता को दर्शाती है। यह उल्लेख करते हुए कि पायलट ड्यूटी समय से जुड़े नये नियम जनवरी 2024 में अधिसूचित किए गए थे, चिदंबरम ने कहा, "फिर भी पिछले 23 महीनों में, सरकार एयरलाइन को उसके संचालन को नए नियमों के अनुरूप ढालने में विफल रही। नागर विमानन मंत्रालय और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) पूरी तरह से इसके लिए जिम्मेदार हैं।

सरकार की मनमानी पर यात्रियों में आक्रोश : डी. राजा

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी. राजा ने शनिवार को इंडिगो की उड़ानें रद्द होने की आलोचना की, जिसके कारण देश भर में हज़ारों यात्री फँस गए। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दर्शाती है कि एक कंपनी को एयरलाइन क्षेत्र पर हावी होने देना यात्रियों के लिए कितनी समस्याएँ पैदा करता है। उन्होंने कहा कि सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए क्योंकि टिकट की कीमतें बढ़ती जा रही हैं और यात्रियों को इससे निपटने में मुश्किल हो रही है। राजा ने कहा कि यह सरकार और लोगों के लिए एक सबक होना चाहिए कि अगर आप एकाधिकार वाली कंपनियों को उभरने देते हैं, तो हम यही अनुभव करते हैं... एयरलाइन टिकटों की कीमतें बढ़ रही हैं, यात्री इस स्थिति का सामना कैसे करेंगे? देश में इस तरह के संकट के लिए सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

सरकार जनहित की नीति अपनाए : मायावती

» **एयरलाइन संचालन पर मोदी सरकार पर साधा निशाना**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि एयरलाइंस संचालन को लेकर देश भर में व्याप्त अफरा-तफरी, दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या, विश्व बाजार में रुपये की गिरती कीमत आदि को लेकर देश के जो वर्तमान हालात हैं, उससे पूरा देश चिंतित है।

इनका समाधान डॉ. भीमराव आंबेडकर के मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान को आमजन के हित में सही से लागू करके ही तलाशा जाना बेहतर होगा। बसपा सुप्रीमो नेजारी अपने बयान में कहा कि सरकारों को व्यावसायिक दृष्टिकोण त्यागकर विशुद्ध जनहित व जनकल्याण की ईमानदार नीयत से नीति, कानून एवं कार्यक्रम आदि बनाने होंगे, तभी समस्याओं से छुटकारा तथा जनहित संभव है। डॉ. भीमराव आंबेडकर देशहित के लिए आजीवन कड़ा संघर्ष करते रहे और करोड़ों बहुजनों के हित, कल्याण एवं उत्थान के लिए संविधान में अनेकों अधिकार देकर कानून बनवाये, जिन पर सही से अमल जरूरी है। उन्होंने शनिवार को डॉ. आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ, नोएडा समेत अन्य राज्यों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त किया।

एसआईआर के नाम पर डराया जा रहा है: संजय सिंह

» **राज्यसभा सांसद ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । यूपी के रामपुर में रहने वाली नूरजहां और उसके विदेश में काम कर रहे दो बेटों पर एसआईआर फॉर्म में गलत जानकारी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है, जिसे लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पीड़ित परिवार से मुलाकात। इस दौरान जिला प्रशासन, डीएम और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला।

आप सांसद ने इस दौरान रामपुर डीएम पर भी तीखा हमला किया और इस कार्रवाई को मूर्खतापूर्ण बताया। संजय सिंह ने कहा कि डीएम को पांच पैसे की भी अक्ल नहीं है, मूर्खतापूर्ण तरीके से कार्यवाही की जा रही है, उन्होंने दावा किया कि वो इस मुद्दे को राज्यसभा में भी उठाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं यूपी की डीएम, मुख्यमंत्री, देश के प्रधानमंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त से पूछता हूँ क्या इस देश के नागरिकों को डराकर, धमकाकर और कुचलकर बीजेपी का काम करना चाहते हो? उन्होंने सवाल किया कि एक बूढ़ी औरत पर फर्जी मुकदमा क्यों लिखा गया? उसका बेटा भारत का मतदाता बन सकता है, उसने कोई जानकारी छिपाई नहीं, फिर यह कार्रवाई क्यों? संजय सिंह ने खुलकर कहा कि अगर नूरजहां के परिवार की गिरफ्तारी होती है, तो मेरे पार्टी नेता भी गिरफ्तारी देंगे. हम लड़ाई दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश की सड़कों तक लड़ेंगे. जो लोग विदेश में रहते हैं, उनका वोट काटने में यूपी सरकार और बीजेपी लगी हुई है, जिला प्रशासन और चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर नाच रहे।

रामपुर डीएम पर बरसे आप सांसद

दरअसल रामपुर में दो दिन पहले जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर नूरजहां और विदेश में काम कर रहे उनके दो बेटों पर एसआईआर फॉर्म में गलत जानकारी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले को लेकर अब प्रदेश की सियासत गरमा गई है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जैसे परिणाम बिहार में देखने को मिले, अगर उत्तर प्रदेश में भी ऐसा ही एसआईआर का खेल चला तो यहां भी वैसा ही नतीजा दिखेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेश में काम कर रहे भारतीय नागरिकों के वोट काटने की साजिश रची जा रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

आईपीएल को कहीं और स्थानांतरित नहीं करेंगे : शिवकुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने घोषणा की कि चिन्नास्वामी स्टेडियम भविष्य में आईपीएल मैचों की मेजबानी करता रहेगा। यह घोषणा चार जून को स्टेडियम में हुई भगदड़ के बाद कर्नाटक में आईपीएल की मेजबानी को लेकर संदेह के बीच की गई है।

भगदड़ उस समय हुई थी जब आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू की जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ एकत्र हुई थी। शिवकुमार ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष पद के चुनाव में अपना वोट दिया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भविष्य में एक नया बड़ा स्टेडियम भी बनाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं क्रिकेट प्रेमी हूं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कर्नाटक में हुई दुर्घटना दोबारा न हो।

पिता फारूख से असहमत दिखे उमर अब्दुल्ला

» **ईवीएम पर भिड़ गए सीएम व पूर्व सीएम**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में जब से उमर अब्दुल्ला की सरकार आई है। तब से उनके तेवर केंद्र-बीजेपी के लिए बदले बदले हैं। जो मुद्दे कभी सत्ता में आने से पहले उनके हुआ करते थे, नेशनल कॉन्फ्रेंस के हुआ करते थे, इंडिया गठबंधन के हुआ करते थे, उन सारे मुद्दों से बैकफुट पर आते हुए उमर अब्दुल्ला नजर आ रही है। लेकिन इन सबसे इत मुद्दों को छोड़कर भी कुछ बहुत बड़ा नुकसान नहीं कर रहे हैं वो।

इनफैक्ट जम्मू कश्मीर की जनता के लिए जम्मू कश्मीर के विकास के लिए जितने कदम उमर अब्दुल्ला केंद्र की मदद से उठा रहे हैं वह बेहद सराहनीय है। आपको जानकर बड़ा ताज्जुब होगा कि कई ऐसे मुद्दे भी सामने आ जाते हैं। पत्रकार उनसे सवाल पूछ लेते हैं जो इंडिया गठबंधन के सबसे अग्रेसिव मुद्दे हैं बीजेपी को घेरने के लिए। और दिलचस्प बात यह है कि उमर अब्दुल्ला उन सारे मुद्दों को दरकिनार कर दे रहे हैं। हद तो तब हो गई जब उन्होंने इस बार अपने पिता से भी असहमति जता दी। उन्होंने कहा मेरे लिए घर पर भी कई बार स्थिति बहुत असहज हो जाती है क्योंकि मैं अपने पिता की बातों से असहमत हूं। मतलब फारूक अब्दुल्लाह जो भी बयान देते हैं बीजेपी को लेकर या कह लीजिए ईवीएम को लेकर उमर अब्दुल्ला उससे इत्तेफाक नहीं रखते।

अंबेडकर पार कराएंगे सियासी दलों की डगर

भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस की 27 पर नजर

- महापरिनिर्वाण दिवस पर सभी ने किया याद
- यूपी सरकार अंबेडकर विरासत की सुरक्षा के लिए लागू करेगी नई नीति
- बाबा साहेब के नाम पर सिर्फ वोट लेती है बीजेपी : सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी में 2027 में विधान सभा चुनाव हर सियासी दल का टारगेट हो गया है। सपा, भाजपा, बसपा व कांग्रेस सभी अपने-अपने कोर वोटर पर नजर गड़ाए है। सपा पीडीए को साधने में लगी है तो बसपा दलित व मुलिसम पर निशाना लगाए है तो भाजपा हिंदुत्व के सहारे तीसरी बार सत्ता पाने के फिराक में है तो कांग्रेस सबकों किनारे करके यूपी में वापसी के लिए हर जुगत करने में लग गई है।

उधर हालांकि एकबात सभी दलों में एकसमान देखने को मिल रही है। सभी दलितों के सबसे प्रिया नेता बाबा साहक डाक्टर भीम राव अंबेडकर को अपना सबसे प्रिय बताने में जुट गई। सपा ने उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर बड़ा कार्यक्रम करने की योजना बनाई थी पर योगी सरकार ने उसको इजाजत नहीं दी जिससे वह नाराज हो गई। उसने कहा भाजपा सरकार डर गई है। उधर बसपा जो 6 दिसंबर को नोएडा में एक बड़ी जनसभा करने वाली थी सुरक्षा कारणों से उसे टाल दिया गया। वहीं सीएम योगी ने यूपी के सभी जगहों पर लगे डा अंबेडकर की मुर्ति को बाउंड्री के भीतर करने का ऐलान करके एक दावं चला है। आने वाले चुनाव के परिणाम ही बताएंगे कि किस दल का दावं सफल होता है।

लखनऊ में सपा का कार्यक्रम रद्द होने पर भाजपा निशाने पर

समाजवादी पार्टी (सपा) ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर के प्रति दुर्भावनापूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए बड़ा दावा किया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि बाबा साहेब के परिनिर्वाण दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजीपी), लखनऊ में शनिवार को समाजवादी बाबा साहेब आंबेडकर वाहिनी द्वारा आयोजित विशाल श्रद्धांजलि सभा की सभी औपचारिकताएं पूरी थी। इसके बावजूद सरकार के दबाव में कार्यक्रम का आयोजन अचानक निरस्त कर दिया गया। सपा राज्य मुख्यालय, लखनऊ से जारी एक बयान के मुताबिक डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोहनलालगंज के पार्टी सांसद आर के चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल तथा समाजवादी बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए।

भाजपा सरकार के दबाव में पुलिस-प्रशासन कर रहा तानाशाही : आर के चौधरी

सपा नेताओं ने कहा कि छह दिसंबर 2025 को डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को भाग लेना था। भाजपा सरकार के दबाव में पुलिस-प्रशासन द्वारा कार्यक्रम रद्द किये जाने की सूचना तानाशाही और अलोकतांत्रिक कृत्य है। सपा सांसद ने कहा कि यह दर्शाता है कि सरकार कितनी भयभीत है। भाजपा सिर्फ वोट के लिए बाबा साहेब का नाम लेती है। हम जनता के बीच जाएंगे और हर जगह परिनिर्वाण दिवस मनाएंगे, बाबा साहेब की मूर्तियों पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। बाबा साहेब के अपमान का बदला लेंगे। सपा नेताओं ने कहा कि श्रद्धांजलि सभा को रद्द करने से साबित हो गया कि ''भाजपा बाबा साहेब से नफरत करती है। हम कोई धरना प्रदर्शन करने नहीं जा रहे थे। यह दलित समाज की उभरती राजनीतिक चेतना को रोकने का निंदनीय प्रयास है जो किसी सूरत में स्वीकार्य नहीं होगा।'' नेताओं ने कहा कि भाजपा संविधान और उसके निर्माता के प्रति अपमानजनक व्यवहार कर रही है। भाजपा संविधान और आरक्षण दोनों को समाप्त करना चाहती है।

अंबेडकर की प्रतिमाओं कों बॉउंड्री वॉल और छत बनाकर उन्हें सुरक्षित रखा जाएगा : योगी

लखनऊ में महापरिनिर्वाण दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी प्रतिमाओं की सुरक्षा के लिए राज्यभर में नई व्यवस्था लागू करने का महत्वपूर्ण ऐलान किया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर जहां-जहां बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की मूर्तियां लगी हुई हैं, हमारी सरकार उन मूर्तियों की सुरक्षा की व्यवस्था करेगी। सीएम योगी ने कहा कि जहां भी अंबेडकर की प्रतिमाएं हैं, वहां बॉउंड्री वॉल और छत बनाकर उन्हें सुरक्षित रखा जाएगा। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस की पुरानी नीतियों पर निशाना साधते हुए बाबा साहेब की चेतावनियों को याद किया और समाज को उनके बताए मार्ग पर एकजुट होकर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहेब ने हमेशा न्याय, समानता और बंधुत्व का संदेश दिया और राष्ट्रहित के खिलाफ किसी भी नीति को स्पष्ट रूप से खारिज किया। उन्होंने 1923 का वह प्रसंग याद दिलाया जब कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने वंदे मातरम गाने से इंकार किया था और येरुशलम में अंतिम समय बिताने की इच्छा जताई थी। सीएम योगी के अनुसार, बाबा साहेब ने ऐसे व्यक्ति को भारत के हित में न मानते हुए चेताया था कि जो व्यक्ति भारत की धरती पर जन्म लेकर उसे पवित्र नहीं मानता, उसका कोई भी वक्तव्य देशहित में नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ तत्व आज भी बाबा साहेब की प्रतिमाओं को क्षति पहुंचाने की कोशिश करते हैं, इसलिए सरकार उन्हें सुरक्षित और सम्मानित रखने के लिए हर कदम उठा रही है। उन्होंने घोषणा की कि हर प्रतिमा पर छत, सुरक्षा घेराबंदी और आवश्यकतानुसार निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्यक्र म में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, ब्रजेश पाठक और मंत्री असीम अरुण भी मौजूद रहे, जिन्होंने बाबा साहेब के विचारों और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला।

संघ पर भी सपा नेताओं ने साधा निशाना

सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि बाबा साहेब को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा नहीं मानती है। जब बाबा साहेब ने देश को संविधान का प्रारूप दिया था, तब आरएसएस के सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर ने समतामूलक समाज के निर्माण के प्रयासों की निंदा की थी। उन्होंने कहा है कि आरएसएस चाहती है कि समाज में ऊंच-नीच का भेदभाव बना रहे। दलित समाज अब जाग चुका है। वह झुकने वाला नहीं।

वोटर लिस्ट से सपा एमएलसी और उनके परिवार का नाम गायब होने पर बवाल

उत्तर प्रदेश समेत देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया लगातार जारी है, इसी बीच समाजवादी पार्टी (सपा) नेता और स्नातक एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने बड़ा आरोप लगाया है। आशुतोष सिन्हा ने आरोप लगाते हुए कहा है कि स्नातक एमएलसी मतदाता सूची में उनका और उनके परिवार का नाम नहीं है। सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा के आरोपों के बाद समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल भी शुक्रवार (5 दिसंबर

2025) को जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचा, जहां समाजवादी पार्टी नेताओं ने इस मामले को लेकर अवगत कराया। उनका कहना है कि यह पूरी तरीके से साजिश के तहत हुआ है। इस 3 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ। एबीपी लाइव से बातचीत के दौरान समाजवादी पार्टी से एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उनका नाम स्नातक एमएलसी मतदाता सूची से गायब है. इसके अलावा उनके परिवार का नाम भी इस सूची में नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे समझा जा सकता है कि विभागीय स्तर पर कितनी बड़ी लापरवाही और चूक हो रही है। इस मामले को लेकर समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल वाराणसी के जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर अधिकारी को अवगत कराया और तत्काल जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। एमएलसी आशुतोष सिन्हा का कहना है कि स्नातक एमएलसी चुनाव के लिए बड़ी संख्या में उन्होंने लोगों का फॉर्म भरकर जमा करवाया है और इसका रिसीविंग भी उनके पास है, लेकिन उनका और उनके परिवार का ही नाम ना होना बताता है कि विभागीय स्तर पर क्या स्थिति है। इस मामले पर उन्होंने सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। आपको बता दें कि एसआईआर प्रक्रि या के बीच विपक्ष के नेता पहले भी कई आरोप लगा चुके हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आखिर कब उभरेगा पुलिस का मानवीय चेहरा

कु छ राज्यों में पुलिस का चेहरा इतना भयानक है की अपराधी तो ठीक पर आम आदमी इतना डरा होता है कि अपनी शिकायत उनके पास नहीं ले जाता है। जबकि सरकारों का दावा होता है कि उनकी पुलिस मानवीय होती है। कभी कभार जेल व थानों में पुलिसिया जुल्म की वजह से कई आरोपी मर तक जाते हैं। पुलिस के इस क्रूर चेहरक बदलने की आवश्यकता है ताकि लोगों पुलिस मित्र की तरह लगे ताकि वह अपने दुख दर्द उनकों सुना सके और वह उसका निवारण कर सके । भारतीय लोकतंत्र के संरचनात्मक स्तंभों में पुलिस की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। वह केवल अपराधियों से मुकाबला करने वाली शक्ति नहीं बल्कि कानून-व्यवस्था, नैतिकता और जनविश्वास की संरक्षक है। परंतु विडम्बना यह है कि आम जनता के मानस में पुलिस की छवि आज भी कठोरता, डर, भ्रष्टाचार और दमन से जुड़ी हुई दिखाई देती है। समाज पुलिस को डंडे और खाकी के प्रतीक रूप में पहचानता है, संवेदनशीलता और जवाबदेही के दृष्टिकोण से नहीं। यही कारण है कि पुलिस सुधार दशकों से विमर्श का विषय तो रहा, लेकिन कभी जनांदोलन नहीं बन सका, न चुनावी मुद्दा बना और न ही गंभीर राजनीतिक प्राथमिकता।

इसलिये मोदी ने शहरी पुलिसिंग को मजबूत करने, पर्यटक पुलिस को फिर से सक्रिय करने, विश्वविद्यालयों को फोरेंसिक अध्ययन के लिए प्रेरित करने और नए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम तथा नागरिक सुरक्षा संहिता पर व्यापक जनजागरूकता चलाने की जरूरत रेखांकित की। उनका यह दृष्टिकोण पुलिस को प्रतिक्रियाशील संस्था से आगे बढ़ाकर बुद्धिमान, वैज्ञानिक, पूर्वानुमान आधारित और विश्वसनीय संस्था बनाने की दिशा है। प्रधानमंत्री की दृष्टि का महत्वपूर्ण आयाम यह है कि पुलिस केवल कानून लागू करने वाली मशीन नहीं बल्कि समाज का सहभागी तंत्र है। यदि पुलिस व्यवहार में संवेदनशीलता, संवाद, पारदर्शिता और विनम्रता विकसित करे तो जनविश्वास स्वत: बढ़ेगा। नए कानूनों के बारे में जन-जागरूकता अभियान इसी सोच का हिस्सा है, क्योंकि कानून तभी प्रभावी होते हैं जब जनता उन्हें समझती और स्वीकार करती है। अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए पुलिस का प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता, इंटेलिजेंस नेटवर्क और फोरेंसिक क्षमता मजबूत होना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री ने नेटग्रिड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एकीकृत डेटाबेस के प्रभावी उपयोग पर जोर देकर पुलिसिंग को डेटा आधारित, कृत्रिम बुद्धिमता-एआई और वैज्ञानिक सोच से जोड़ने की दिशा दिखाई है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने समय में पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आएगा। जिससे हर आम व गरीब नागरिक उनसे न्याय की गुहार मांग सके गा।

“ भारतीय लोकतंत्र के संरचनात्मक स्तंभों में पुलिस की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। वह केवल अपराधियों से मुकाबला करने वाली शक्ति नहीं बल्कि कानून-व्यवस्था, नैतिकता और जनविश्वास की संरक्षक है। परंतु विडम्बना यह है कि आम जनता के मानस में पुलिस की छवि आज भी कठोरता, डर, भ्रष्टाचार और दमन से जुड़ी हुई दिखाई देती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जटिल दस्तावेजी प्रक्रिया से मुक्त हो एसआईआर

अविजित पाठक

ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग जिस ढंग से मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण करवा रहा है, उसमें जरूरी नहीं सब कुछ ठीक हो। असल में, जैसा कि पश्चिम बंगाल से आई खबरों से पता चलता है, इससे आम लोगों के साथ-साथ बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) में भी बहुत तनाव और चिंता पैदा हो रही है। काम के अत्यधिक दबाव की वजह से चार बीएलओ द्वारा आत्महत्या कर लेना सच में चिंता की बात है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि आम नागरिक या शांति से रहने वाले लोग इस बात को लेकर बहुत परेशान हैं कि उन्हें किस तरह के दस्तावेज दिखाने होंगे ताकि उनका नाम संशोधित सूची से कटने न पाए। जैसा कि विरोधी पार्टियां आरोप लगा रही हैं, इस डर से अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है।

क्या ऐसा है कि विशेष सघन पुनरीक्षण कानून के जरिए सरकार हमसे यह साबित करने के लिए कह रही है कि हम भारतीय हैं, हमारे माता-पिता भारतीय हैं, और हम गैर-कानूनी अप्रवासी नहीं हैं? और खासकर पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में, यह अभियान एक नया रूप धर चुका है। सोचिए यह मानसिक व्यग्रता कितनी संक्रामक है। मैंने अपने सारे दस्तावेज सही क्रम से रखने शुरू कर दिए हैं वो दस्तावेज जो यह साबित कर सकें कि मैं भारत में ही पैदा हुआ हूं, मेरे माता-पिता भारतीय थे, और मेरा नाम 2002 की वोटर लिस्ट में था। मेरे पिता एक सरकारी ऑफिसर थे। तीन दशक से ज़्यादा समय तक, मैंने एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाया। मुझे आज भी वह दिन याद है जब मैं आधार कार्ड बनवाने के लिए तमाम प्रमाणत्रों से (जैसे कि अपने घर का पता, जन्म तिथि और पिता के नाम) संबंधित अधिकारियों को संतुष्ट करने के बाद अपना आधार कार्ड बनवाने के लिए लंबी पंक्ति में खड़ा हुआ था। मेरा पैन कार्ड और आधार लिंक हैं। मैं नियमित रूप से आयकर भरता हूं। मेरे पास मेरा पासपोर्ट है। फिर भी, मैं गहरी चिंता से मुक्त नहीं हूं।

कौन जानता है कि कल को सरकार मुझसे भी कह दे कि ये दस्तावेज काफी नहीं हैं? कल्पना कीजिये आधार की नियति के बारे में। यह हर जगह जरूरी है - बैंकों में, हवाई अड्डे में, स्कूलों में, अस्पतालों में और यहां तक कि श्मशान घाटों में भी। लेकिन अब हमें बताया गया कि आधार कार्ड नागरिकता का सुबूत नहीं है। और हमें यह भी बताया जाता है कि अगर आपके पास मतदाता

फोटो पहचान पत्र तो है, लेकिन किसी अनजान वजह से आपका नाम 2002 की वोटर सूची में नहीं है, तब आप मुश्किल में पड़ जाएंगे। अगर मेरे जैसा सर्व सुविधा संपन्न व्यक्ति इस चिंता और असुरक्षा की भावना से बच नहीं सका, तो सोचिए कि एक प्रवासी मज़दूर, कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति, झुग्गी में रहने वाला, या एक आम किसान किस विकट स्थिति से गुजर रहा होगा। हालांकि, यह सिर्फ मेरी, या आपकी चिंता की बात नहीं है। आजादी और मानवाधिकारों की ललित कथाओं के बावजूद, अपने नागरिकों पर निगरानी रखने का सामान्यीकरण करते हुए, रोजमर्रा की जिंदगी में निरंतर दस्तावेजों की मांग के जरिए पूर्ण नियंत्रण बनाना चाहती है। कोई हैरानी नहीं कि आम नागरिक होने के नाते, हम लगातार डर के कभी न खत्म होने वाले चक्र में फंसे रहते हैं। 'कागज' पूरे करने को हमें एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर भागने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कल तक, यह आधार था; जो लगभग आपके शरीर के एक जरूरी अंग जैसा था; और इसके बिना, आप कुछ भी नहीं थे! इसके अलावा, तकनीक के विकास के साथ, आपका ईमेल एड्रेस या आपका मोबाइल फोन नंबर आपकी पहचान बन चुका है। इसे आपके आधार, पैन और बैंक अकाउंट से लिंक होना चाहिए। कल्पना करें आपने अपना स्मार्ट फोन खो दिया है और तब आपको तीव्र चिंता सताने लगती है। यह आपकी पहचान गुम होने जैसा है; वह अनुभव दुनिया से कट जाने की तरह है। इसके अलावा, ऐसा लगता है कि अब कुछ भी निजीपन या निजता नहीं रही। डेटा साइंस के इस जमाने में आपका ईमेल एड्रेस या आपका मोबाइल फोन नंबर हर जगह पहुंच चुका है।

आपकी हर हरकत पर लगातार नजर रखी जा रही है और उसे देखा जा रहा है। इसलिए, क्या यह हैरानी की बात नहीं कि आपको और मुझे हर दिन प्रॉपर्टी डीलरों से लेकर फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स और यहां तक कि प्रधानमंत्री के दफ्तर से भी तरह-तरह के मैसेज मिलते रहते हैं? इस निगरानी मशीनरी का हिस्सा बनना कोई अच्छा अहसास नहीं है। यह डर, तनाव और चिंता को बढ़ाता है। यह आपके निजी दायरे में दखलअंदाजी है। असल में, यह काम आपकी इंसानी रूह को एक बायोमेट्रिक्स में परिवर्तित कर देने, या आपकी पहचान के प्रमाण को, चाहे वह आपका राशन कार्ड हो, आपका पासपोर्ट या फिर आपके घर का पता साबित करने वाला कोई यूटिलिटी बिल हो- हर उस चीज़ को बहुत नुकसान पहुंचाता है।

बाढ़ व सूखा संकट से रक्षा के अभिनव प्रयास

भारत डोगरा

किसी भी क्षेत्र में बाढ़ या सूखे के संकट के पीछे अनेक कारक होते है। वर्षा बहुत होगी या कम, अचानक बहुत तेजी से बरसेगी या ऐन मौके पर रूठ जाएगी, इस पर लोगों का नियंत्रण नहीं है। पर इतना जरूर है कि वे यदि जल व मिट्टी संरक्षण के सतत प्रयास करते रहें तो यह दोनों ही संकट व उपजी क्षति को बहुत कम अवश्य किया जा सकता है। यदि एक क्षेत्र के सैकड़ों गांव अपने प्राकृतिक वर्षा जल के बहाव के क्षेत्रों को गंदगी व अवरोधों से मुक्त रखते हैं व इनमें गड्ढे कर इनमें अधिक वर्षा के जल को रोक लेते हैं; चेक डैम आदि निर्माण करते हैं; अधिक वृक्षों व मेढ़बंदी से मिट्टी व पानी को रोकते हैं। तालाबों जैसे जलस्रोतों की नियमित सफाई कर इनकी वर्षा के जल ग्रहण करने की क्षमता को बनाए रखते हैं या बढ़ाते हैं तो इस क्षेत्र में अधिक वर्षा होने पर अधिकांश पानी भली-भांति समा जाएगा। इससे बाढ़ उत्पन्न करने की समस्या कम होगी।

दूसरी ओर बाद के महीनों में जल संकट भी कम होगा क्योंकि विभिन्न स्रोतों से अधिक जल एकत्र हो चुका होगा। इस कारण जल-स्तर भी ठीक बना रहेगा, हैंडपंप व कुएं आदि में जल उपलब्ध रहेगा। इस तरह जल-स्रोतों व छोटी-बड़ी नदियों की रक्षा के अनुकूल भी स्थितियां उत्पन्न होंगी। वहीं दूसरी ओर इन सभी कार्यों की उपेक्षा से मामूली वर्षा तेजी से बहुत सी मिट्टी को भी बहा ले जाएगी और बाढ़ का संकट उत्पन्न करेगी। दूसरी ओर चूंकि विभिन्न स्रोतों व भूजल के रूप में बहुत कम जल संरक्षित हुआ है, अत: मानसून के बाद के महीनों में जल-संकट उपस्थित हो जाएगा। सूख रहे तालाबों पर अतिक्रमण भी होने लगेगा। छोटी नदियां भी संकटग्रस्त हो जाएंगी। अत: स्पष्ट है कि वर्षा की मात्रा, बांध, तटबंध आदि चर्चित कारकों से अलग आपदाओं से रक्षा में एक बड़ी भूमिका आम लोगों, विशेषकर गांववासियों के जल-संरक्षण से जुड़े प्रयासों की है। जहां ये काम निरंतरता-निष्ठा व सूझबूझ से होंगे, वहां आपदाओं का प्रकोप भी कम हो सकेगा। मरखेड़ा गांव (जिला टीकमगढ़, मध्य प्रदेश) एक समय जल संकट से बहुत परेशान था।

हैंडपंप, कुएं सभी स्रोतों में पानी बहुत कम मिल रहा था। पानी जुटाने में महिलाओं की कठिनाइयां बहुत बढ़ गई थीं। तब सामाजिक कार्यकर्ता मंगल सिंह ने उपाय सुझाया कि प्राकृतिक जल बहाव मार्ग में सावधानी से स्थान चुनकर निर्धारित गहराई व आकार के गड्ढे बना दिए जाएंगे तो भू-जल स्तर सुधारा जा सकता है। गांववासियों ने उत्साह से यही किया व जो मिट्टी खोदी गई उसका उपयोग मेढ़ बनाने में किया। इसका बहुत सार्थक परिणाम मिला तो गांववासियों ने टूट-फूट रहे चेक डैम की मरम्मत भी कर ली। बहुत सा वृक्षारोपण भी किया। अत: बहुत कम खर्च पर ही गांव का जल-संकट दूर करने में उल्लेखनीय सफलता मिली। कुछ किसानों की उत्पादकता 50 प्रतिशत तक बढ़ गई। इसी राज्य के जल संकटग्रस्त नदना गांव (जिला शिवपुरी) में ढलानदार भूमि में वर्षा का जल और भी तेजी से बह जाता था और मिट्टी भी अधिक काटता था।

खेती की उत्पादकता कम हो गई थी व प्रवासी मजदूरी पर निर्भरता बढ़ रही थी। यहां भी जल-संरक्षण के प्रयास आरंभ हुए व जल प्रवाह के नाले में लगभग 80 स्थानों पर गड्ढे बनाए गए। खेत-तालाब, गेवियन किस्म के चेक डैक बनाए गए। इससे भू-जल स्तर में बहुत सुधार हुआ, लोगों को कुओं व हैंडपंप में पर्याप्त पानी मिलने लगा। पशु-पक्षियों को जल-स्रोतों में वर्ष भर पर्याप्त पानी मिलने लगा। घास-चारा भी अधिक उपलब्ध होने लगा। कृषि उत्पादकता भी बढ़ी। भूमि कटाव रुका व मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर हुई है। राजस्थान के करौली जिले के मकनपुर स्वामी गांव में जल-संकट से त्रस्त गांववासियों के प्रयासों के बाद जब जल-स्रोतों की सफाई से प्राप्त उपजाऊ मिट्टी किसानों को उनके खेतों के लिए प्राप्त हुई तो पथरीली, खनन-प्रभावित भूमि पर भी फसल लहलहाने लगी। इन विभिन्न गांवों में जल स्थिति को इन संरक्षण उपायों से सुधारा गया है तो जहां लोगों को राहत मिली, वहीं आपदाओं के संकट भी कम हुए हैं। इन सभी उदाहरणों में स्थिति सुधारने में सृजन संस्था के कार्यकर्ताओं व गांव समुदाय की भूमिका रही। इस तरह जल संबंधी समृद्ध स्थानीय जानकारी का भरपूर लाभ मिल सका। सृजन ने इन कार्यों में दक्षता प्राप्त अन्य संस्थाओं मसलन, समाज सेवा संस्थान, अरुणोदय व युवा कौशल विकास मंडल जैसी संस्थाओं के सहयोग से यह कार्य अनेक अन्य गांवों तक भी पहुंच सका।

विशेषकर बुंदेलखंड क्षेत्र में तालाबों की समृद्ध परंपरा रही है व इनसे जुड़ी स्थानीय परिस्थितियों को भली-भांति समझने वाली स्थानीय कुशलताएं भी मौजूद हैं। ए.बी.वी. इंस्टिच्यूट ऑफ गुड गवर्नेंस ने ऐसे लगभग 1100 तालाबों के बारे में जानकारी एकत्र की। यदि इनकी सफाई व मरम्मत के कार्य उचित समय पर होते रहे तो इनकी जल-संकट को दूर करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका बनी रहेगी। साथ में अनुचित अतिक्रमणों से इनकी रक्षा करना भी आवश्यक है। जल-संरक्षण को आगे बढ़ाने के कार्य को सृजन व इसके सहयोगियों ने जल-धरोहर या वाटर हैरीटेज की रक्षा के रूप में भी देखा है। जिस तरह सांस्कृतिक व ऐतिहासिक स्तर पर प्राय: धरोहर की रक्षा की चर्चा होती है, वैसे ही जल-धरोहर की रक्षा की सोच को आगे बढ़ाया गया है। जन-भावनाएं विशेषकर नदियों की रक्षा से बहुत जुड़ी हैं। इसके बावजूद अनेक प्रतिकूल स्थितियों के कारण अनेक छोटी व सहायक नदियां संकटग्रस्त होती जा रही हैं।

चिंता दूर भगाने के लिए रोजाना करें ये योगासन

जब व्यक्ति किसी चुनौती या दबाव का सामना करता है तो उसके मस्तिष्क में जो प्रतिक्रिया होती है, वह तनाव होता है। तनाव शरीर और मन की एक प्राकृतिक प्रतिक्रिया है जो हमें खतरे या दबाव से निपटने में मदद करती है। हालांकि जब लंबे समय तक यह प्रतिक्रिया आपके मन मस्तिष्क में रहती है तो यह अवस्था स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। तनाव के कुछ सामान्य लक्षण हैं, जिस में सिरदर्द, पेट दर्द, थकान, नींद की समस्या आम बात है। वहीं चिंता, डर, गुस्सा और अवसाद इसका भावनात्मक लक्षण है। तनावग्रस्त व्यक्ति में चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी होती है और उसमें काम करने की इच्छा नहीं होती। तनाव से छुटकारा पाने के लिए योग और ध्यान असरदार प्राकृतिक उपाय हैं। योग से मानसिक थकान दूर होती है, अनिद्रा की शिकायत कम हो सकती है और मन शांत रहता है।

बालासन

इस आसन का अभ्यास शरीर को आराम देता है और तनाव को कम करता है। इसके अभ्यास के लिए वज्रासन की स्थिति में बैठकर माथे को जमीन पर लगा लें। दोनों हाथों को जमीन पर रखकर जांघों से छाती पर दबाव डालें। इस अवस्था में कुछ देर रुकें। इस आसन से दिमाग और मन शांत रहता है। नींद अच्छी आती है और तनाव कम हो सकता है। इसके अलावा आनंद बालासन आपके जांघों, कमर और हिप्स में खींचव उत्पन्न करते हैं, जिससे इन क्षेत्रों में तनाव दूर करने और लचीलेपन को बढ़ाने में मदद मिलती है। इस मुद्रा को करने से पीठ के निचले हिस्से में दर्द से राहत मिलती है। यह मुद्रा पैरों में तंग मांसपेशियों को धीरे से खींचकर और पीठ के निचले हिस्से के दर्द को कम करने में मदद कर सकती है।

भ्रामरी प्राणायाम

भ्रामरी प्राणायाम के दौरान निकलने वाली हम्म की आवाज मस्तिष्क को गहराई से शांत करती है, जिससे चिंता, गुस्सा और बेचैनी से आराम मिलता है। इस प्राणायाम के अभ्यास के लिए आराम से बैठकर आंखें बंद कर लें। अब तर्जनी उंगलियों को दोनों कानों पर रखें। मुंह बंद रखते हुए नाक से सांस लें और छोड़ें। इस दौरान ऊँ का उच्चारण भी कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को 5-7 बार दोहराएं। अगर आपको रात में ठीक से नींद नहीं आती या बार-बार नींद खुल जाती है, तो यह आसन करने से अच्छी और गहरी नींद आ सकती है। छात्रों और ऑफिस में काम करने वालों के लिए यह बहुत फायदेमंद है। इसे करने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है और काम में मन लगता है।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन के अभ्यास से शरीर संतुलित रहता है। ये आसन तनाव को कम करने में मदद करता है। इसके अभ्यास के दौरान शरीर के विभिन्न हिस्सों में खिंचाव आता है, जिससे तनाव और चिंता कम करने में मदद मिलती है। यह ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। त्रिकोणासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर दाहिने पैर को 90 डिग्री बाहर की ओर और बाएं पैर को थोड़ा अंदर की ओर मोड़ें। अपने हाथों को कंधे के स्तर तक फैलाएं और श्वास लेते हुए दाहिनी ओर झुकें। दाहिने हाथ से दाहिने पैर को छूने की कोशिश करें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर उठाएं।

हंसना मना है

जेलर- सुना है की तुम शायर हो कुछ सुनाओ यार, कैदी- पेश करता हूं साहेब, गम ए उल्फत में जो जिन्दगी कटी हमारी, जिस दिन जमानत हुई जिन्दगी खतम तुम्हारी, जेलर- अरे बंसी वो डंडे में तेल लगा कर लाना ये अभी तक नहीं सुधरा है।

एक आदमी नदी में डूब रहा था। वो जोर जोर से चिल्लाया- गणेश जी बचाओ, गणेश जी बचाओ, गणेश जी आए ओर नदी किनारे नाचने लगे। आदमी-प्रभु आप नाच क्यों रहे हो? मुझे बचाओ, गणेश जी मुस्कुराते हुए बोले-तू भी तो मेरे विसर्जन में बहुत नाच रहा था!

नरेश-घर में शासन कैसे चलाएं' नामक पुस्तक से तुम्हें कुछ फायदा हुआ? महेन्द्र-कुछ नहीं। नरेश-'क्यों? महेन्द्र-'पत्नी ने मुझे वह पुस्तक पढ़ने को कभी दी ही नहीं।

'क्या हुआ मैडम, आपने ये स्वेटर आज तक पूरा नहीं किया? तुम तो एक स्वेटर 10 दिन में पूरा कर लेती थीं। 'बात ऐसी है कि मैं पांच-छः दिन से आफिस नहीं जा सकी।

खरीदार-'भैंस की कीमत पांच हजार रुपये तो बहुत ज्यादा है। मालिक-'यह कैसे? खरीदार-'इसकी एक आंख जो नहीं है। मालिक-'आपको इससे दूध लेना है या इससे कसीदाकारी करानी है।

कहानी | घमंडी हाथी और चींटी

एक बार जंगल में एक हाथी को अपने शरीर और अपनी ताकत का बहुत घमंड था। उसे रास्ते में जो भी जानवर मिलता, वो उसे परेशान करता और डरा कर भगा देता। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने एक पेड़ पर एक तोते को बैठा देखा और उससे अपने सामने झुकने के लिए बोला। तोते ने झुकने से मना कर दिया, तो गुस्से में आकर हाथी ने वो पेड़ ही उखाड़ दिया, जिस पर तोता बैठा था। तोता उड़ गया और हाथी उसे देख कर हंसने लगा। फिर एक दिन हाथी नदी के किनारे पानी पीने के लिए गया। वहीं पर चींटियों का छोटा-सा घर था। एक चींटी बड़ी मेहनत से अपने लिए खाना इकट्ठा कर रही थी। यह देख हाथी ने पूछा कि तुम क्या कर रही हो, तो चींटी ने कहा कि बरसात का मौसम आने से पहले अपने लिए भोजन जमा कर रहीं हूं, ताकि बारिश का मौसम बिना किसी परेशानी से निकल जाए। यह सुन कर हाथी के मन में शरारत सूझी और उसने अपनी सूंड़ में पानी भर कर चींटी के ऊपर डाल दिया। पानी से चींटी का भोजन खराब हो गया और वो पूरी भीग गई। चींटी को बहुत गुस्सा आया और उसने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का सोचा। फिर एक हाथी भोजन करके हरी घास पर सो रहा था। चींटी सोते हुए हाथी की सूंड़ में घुस गई और अंदर से उसे काटने लगी। जैसे ही चींटी ने हाथी को काटा, हाथी दर्द के मारे जोर जोर से रोने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा। चींटी ने हाथी के रोने की आवाज सुनी और सूंड़ से बाहर निकल आई। हाथी उसे देख कर डर गया और अपने किए की माफी मांगी। जब चींटी को महसूस हुआ कि हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया है, तो उसने हाथी को माफ कर दिया। हाथी अब बिलकुल बदल गया और उसने वादा किया कि अब वो किसी को नहीं सताएगा और दूसरों की मदद करेगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा।

वृषभ

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बिगड़े काम बनेंगे।

मिथुन

किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

सिंह

आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा।

कन्या

यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

तुला

व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक

थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

धनु

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

मकर

व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

कुम्भ

नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन

रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी।

सिनेमाघरों में जबरदस्त ओपनिंग के बाद नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी फिल्म धुरंधर

रणवीर सिंह की मच अवेटेड फिल्म धुरंधर ने थिएटर में दस्तक दे दी है। निर्देशक आदित्य धर की यह हाई-वोल्टेज स्पाई थ्रिलर 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन चुकी है। देशभक्ति, रियल-लाइफ रॉ ऑपरेशन्स से प्रेरित कहानी और बड़े पैमाने पर शूट किए गए एक्शन सीक्वेंसेस- इन सबने फिल्म को सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा में बनाए रखा है। अब दर्शकों में उत्सुकता है कि यह फिल्म ओटीटी पर कब और कहां देखने को मिलेगी। 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म की स्टारकास्ट- रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी ने अपने मजबूत अभिनय से कहानी को नई ऊंचाई दी है। रिलीज से पहले मेकर्स ने कहानी गोपनीय रखी थी, जिससे दर्शकों की जिज्ञासा और बढ़ी। शुरुआती शो के बाद सोशल मीडिया पर दर्शकों की प्रतिक्रियाएं उमड़ पड़ीं और फिल्म को इमोशनल, इंटेंस और थ्रिलिंग बताया गया।

फिल्म के पहले दिन की कमाई

रिलीज डे की सुबह फिल्म ने देशभर में लगभग 16 प्रतिशत के ऑक्यूपेंसी के साथ हल्की शुरुआत की। लेकिन जैसे-जैसे शो आगे बढ़े, दर्शकों की भीड़ बढ़ने लगी। दोपहर तक ऑक्यूपेंसी 28 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई। यह साफ संकेत था कि वर्ड ऑफ माउथ फिल्म के पक्ष में काम कर रहा है। शाम 6 बजे तक, सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, धुरंधर ने 17.44 करोड़ का आंकड़ा छू लिया है। इससे फिल्म का पहले दिन 20 करोड़ क्लब में पहुंचने का रास्ता खुल गया है, क्योंकि अभी फिल्म की कमाई में इजाफा होने वाला है।

फिल्म की कहानी और स्टारकास्ट

'धुरंधर' की कहानी 2000 के शुरुआती दशक के पाकिस्तान में सेट की गई है, जहां रणवीर सिंह एक भारतीय जासूस की भूमिका में दिखते हैं जो लायरी गैंग्स के नेटवर्क को तोड़ने के मिशन पर है। फिल्म वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है और इसके एक्शन सीक्वेंस तथा बैकड्रॉप की काफी चर्चा है। स्टारकास्ट भी दमदार है- अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर. माधवन जैसे कलाकार कहानी को मजबूती देते हैं। अदित्य धर की डायरेक्शन क्वालिटी और इंटरनेशनल-लेवल प्रोडक्शन डिजाइन भी फिल्म की चर्चा का कारण बन रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

उर्मिला सबसे वर्सेटाइल एक्ट्रेस हैं : राम गोपाल

राम गोपाल वर्मा हमेशआ अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में बने रहते हैं वो अक्सर ऐसे बयान दे देते हैं जिसके बाद उन्हें मुसीबतों का सामना करना पड़ता है राम गोपाल वर्मा और बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने अफेयर को लेकर हमेशा छुप्पी साधी हुई थी मगर अब कई सालों बाद राम गोपाल वर्मा ने इस बारे में बात की है राम गोपाल वर्मा ने जूम को दिए खास इंटरव्यू में उर्मिला मातोंडकर से जुड़े पुराने आरोपों पर कई साल के बाद रिएक्ट किया है उर्मिला और राम गोपाल वर्मा ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है दोनों की फिल्में बहुत साबित हुई थीं रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों में नजदीकियां बढ़ गई थीं राम गोपाल वर्मा ने कहा- मुझे लगता है कि वो सबसे वर्सेटाइल एक्ट्रेस हैं इसी वजह से मैंने उनके साथ इतनी सारी फिल्मों में काम किया मैंने अमिताभ बच्चन के साथ इससे भी ज्यादा काम किया है मदर उस बारे में कोई बात नहीं करता है मेरे बारे में बातचीत होना सिस्टम और सोशल मीडिया का काम है जब राम गोपाल वर्मा और उर्मिला साथ में फिल्में शूट करने में बिजी थे, तो कई रिपोर्ट्स में उनके करीबी रिश्ते पर फोकस किया गया कई लोगों ने यह भी कहा कि इन अटकलों की वजह से राम गोपाल और उनकी पत्नी रत्ना वर्मा के रिश्ते पर असर पड़ा था अपनी किताब गन्स एंड थाइज: द स्टोरी ऑफ माय लाइफ में, राम गोपाल वर्मा ने मेरी जिंदगी की औरतें सेक्शन में मातोंडकर पर एक पूरा चैप्टर लिखा था इसमें उन्होंने यह मानने में कोई झिझक नहीं दिखाई कि वह उन पर फिदा थे, और यही वजह थी कि उन्होंने मातोंडकर को रंगीला फिल्म में कास्ट किया था।

फिर कानूनी पचड़े में फंसे शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान एक बार फिर विवाद में फंस गए हैं। दरअसल आर्यन खान का एक हालिया वीडियो क्लिप अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने एक पब में मिडल फिंगर दिखाते हुए कथित रूप से अश्लील इशारा किया था। इस वीडियो के वायरल होते ही बेंगलुरु के एक वकील ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

वकील ओवैज हुसैन एस ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि इस घटना के दौरान वहां कई महिलाएं मौजूद थीं। उनका कहना है कि आर्यन का यह व्यवहार उनकी मर्यादा का अपमान है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस प्रकार का अशलील इशारा सार्वजनिक शिष्टाचार और सामाजिक मर्यादाओं का उल्लंघन है। उन्होंने बेंगलुरु पुलिस महानिदेशक, सिटी कमिश्नर, डीसीपी और संबंधित थाना को FIR दर्ज करने की मांग की है। वहीं, बेंगलुरु पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद इस मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि वो क्लब परिसर की सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया वीडियो पोस्ट के आधार पर घटना की प?ताल कर रहे हैं। वर्तमान में यह मामला भारतीय नव्य न्याय संहिता, 2023 की धारा 173B के अंतर्गत दर्ज किया गया है जो सार्वजनिक आपत्तिजनक हरकतों से सम्बंधित है। अगर आरोप साबित हुआ, तो अभद्रता या सार्वजनिक अश्लीलता की धारा लागू हो सकती है। यह घटना कथित तौर पर 28 नवंबर को हुई, जब आर्यन एक प्रमोशनल इवेंट में भाग लेने के लिए बेंगलुरु के एक पब में गए थे। वीडियो में देखा जा सकता है कि आर्यन खान किसी समारोह की महफिल में आते हैं, भीड़ को हाथ हिलाते हैं, बाद में अचानक अश्लील इशारा करते दिखाए गए हैं। वीडियो वायरल होते ही सामाजिक मीडिया और वकील समुदाय में विवाद शुरू हो गया। अगर पुलिस CCTV व सोशल मीडिया वीडियो की जांच में आरोप सही पाती है तो स्नङ्करूदर्ज होगी, और संभावित अभियोजन हो सकता है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पुलिस आर्यन को गिरफ्तार करेगी या जांच-सुनवाई के बाद ही आगे बढ़ेगी।

इससे पहले आर्यन खान अक्टूबर 2021 में उस समय सुर्खियों में आए थे, जब उन्हें NCB ने मुंबई के कॉरडेलिया क्रूज़ पर कथित ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी एक रेव पार्टी पर की गई छापेमारी के दौरान हुई थी। तीन हफ्ते तक न्यायिक हिरासत में रहने के बाद उन्हें जमानत मिली थी। बाद की जांच में ह्ष्ङ्करू स्ङ्घ्र ने आर्यन के पास कोई ड्रग्स न मिलने, न ही ड्रग्स सेवन का प्रमाण मिलने की बात कही थी, जिसके बाद मई 2022 में उन पर लगे सभी आरोप हटा दिए गए। इस विवाद ने बॉलीवुड और केंद्रीय एजेंसियों के कामकाज को लेकर बड़े राजनीतिक और सामाजिक सवाल खड़े किए थे।

यहां जमीन की जगह कांच की कब्रों में दफनाए जाते हैं लोग, साफ दिखाई देता है पूरा शरीर

मानव सभ्यता जितनी पुरानी है, उतनी ही पुरानी अंतिम संस्कार की परंपराएं भी कहीं शव को जलाया जाता है, कहीं दफनाया जाता है और कहीं आधुनिक इलेक्ट्रिक क्रिमेशन का सहारा लिया जाता है लेकिन दुनिया के एक हिस्से में ऐसा रिवाज चलता है जिसे देखकर इंटरनेट हिल गया है यहां मरने के बाद लोगों को ऐसी पारदर्शी कब्रों में दफनाया जाता है, जिनके अंदर पूरा शरीर और समय के साथ कंकाल में बदलता रूप स्पष्ट दिखाई देता है यह विचित्र और खौफनाक दृश्य अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रिवाज चीन के एक दूरदराज पहाड़ी इलाके में सदियों से चला आ रहा है यहां एक मान्यता है कि यदि पति-पत्नी की मृत्यु आसपास के समय में होती है, तो उन्हें एक ही कब्र में साथ रखा जाता है, ताकि अगले जन्म या परलोक में भी उनका साथ बना रहे इन पारदर्शी कब्रों को प्रेम, सम्मान और पारिवारिक बंधन का प्रतीक माना जाता है स्थानीय लोग मानते हैं कि मृतकों को छिपाना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें उसी रूप में रहने देना चाहिए जैसे जीवन में थे सभी के बीच एशिया के कई हिस्सों में यह भी परंपरा है कि मृतकों को घर में बने विशेष कमरों में रखा जाता है और समय-समय पर उनकी पूजा की जाती है वही विचार इस अनोखी दफन प्रथा में भी नजर आता है। इस वीडियो के सामने आते ही इंटरनेट पर बहस शुरू हो गई किसी ने इसे दुनिया की सबसे डरावनी परंपरा बताया, तो किसी ने कहा कि यह सांस्कृतिक विविधता की शानदार मिसाल है एक यूजर ने लिखा- मैंने ऐसा सीन नहीं देखा था, अंदर तक ठंड लग गई! दूसरे ने कहा-कंकाल को हर दिन देखते रहना ये बहुत अजीब है वहीं तीसरे ने लिखा-कुछ एशियाई परंपराएं वाकई यूनिक होती हैं, डरावनी लेकिन दिलचस्प कई लोगों ने सवाल भी उठाया कि कोई परिवार अपने ही सदस्य को इस तरह समय के साथ बदलते हुए कैसे देख सकता है? यह कितना तनावपूर्ण होगा।

अजब-गजब | ये है दुनिया का इकलौता झरना

ये झरना नहीं गिरता ऊपर से नीचे! तीन किमी बहता है नदी के साथ, फिर हो जाता है गायब

दुनियाभर में कई शानदार झरने हैं, जिसे देखने के लिए लाखों लोग जाते हैं इनमें कोई झरना अपनी रिकॉर्ड तोड़ ऊंचाई (जैसे एंजल फॉल्स 979 मीटर) के लिए जाना जाता है, तो कोई झरना अपनी विशालता के लिए मशहूर है इन चमत्कारों को देखकर हमेशा लगता है कि प्रकृति के पास आश्चर्यों का अथाह भंडार है लेकिन आज हम आपको दुनिया के इकलौते ऐसे झरने के बारे में बताने जा रहे हैं, नदी के समानांतर 3 किलोमीटर तक साथ चलता है, फिर गहरी खाई में उसका पानी गायब हो जाता है यह झरना पानी के ऊंचाई से नीचे गिरने के सामान्य नियम का भी पालन नहीं करता हम बात कर रहे हैं मोकोना फॉल्स की, जिसे ब्राजील में यूकुमा फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है यह अर्जेंटिना में मिसीओनेस प्रांत और ब्राजील के बीच एक प्राकृतिक सीमा का काम करने वाली उरुग्वे नदी पर स्थित है। बता दें कि अर्जेंटिना के पर्यटक इसे 'मोकोना' नाम से जानते हैं, जिसका गुआरानी भाषा में मतलब 'सब कुछ निगल जाना' होता है, जबकि ब्राजील में इसे

'यूकुमा' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'बड़ा जलप्रपात' यह झरना सबसे बड़े इगुआजु फॉल्स से लगभग 322 किलोमीटर दूर स्थित है और अपने असामान्य आकार के लिए प्रसिद्ध है इगुआजु जलप्रपात अर्जेंटिना के सबसे लोकप्रिय झरनों में से एक है, लेकिन मोकोना फॉल्स अपनी अनूठी विशेषता के कारण एक अलग ही पहचान रखता है मोकोना फॉल्स का पानी नदी के लंबवत नीचे गिरने के बजाय, नदी के समानांतर बहता है यह झरना लगभग 3 किलोमीटर की लंबाई तक नदी के साथ-साथ चलता है और एक गहरी खाई या गॉर्ज में अपना पानी गिराता है। यह अद्भुत भौगोलिक संरचना उरुग्वे नदी के तल में मौजूद एक रहस्यमयी जलमग्न घाटी के कारण बनती है, जो 100 मीटर तक गहरी और नदी की चौड़ाई का लगभग 15 से 30 प्रतिशत हिस्सा घेरती है माना जाता है कि यह घाटी हिमयुग के दौरान बनी थी यह घाटी सिर्फ दो स्थानों पर ही दिखाई देती है, जिनमें से मोकोना फॉल्स एक है इस झरने की सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि यह साल के लगभग 150 दिन दिखाई नहीं देता है जब उरुग्वे नदी में पानी का स्तर ऊंचा होता है और यह घाटी के किनारे से ऊपर बहता है, तो झरना पूरी तरह से पानी में समा जाता है असली जादू तब शुरू होता है जब नदी का जलस्तर कम हो जाता है और पानी घाटी के किनारे से नीचे गिरने लगता है, जिससे मोकोना फॉल्स का निर्माण होता है आपको यह अद्भुत दृश्य देखने के लिए सही समय पर वहां मौजूद रहना होगा, जब पानी का स्तर कम हो बता दें कि उरुग्वे नदी में पानी की मात्रा के आधार पर इस झरने की ऊंचाई 5 मीटर से 7 मीटर तक बदलती रहती है।

नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी के बयान पर घमासान

» बोलीं- 500 करोड़ में सीएम बनाती है कांग्रेस भाजपा ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। नवजोत सिंह सिद्धू पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने कहा है कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद तभी मिलता है जब पार्टी को 500 करोड़ की अटैची पकड़ाई जाए। नवजोर कौर पंजाब विधानसभा की पूर्व सदस्य कांग्रेस नेता और क्रिकेटर लीडर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी हैं। कांग्रेस से पहले नवजोत कौर बीजेपी के नेता रह चुकी हैं। इनके पति नवजोत सिंह सिद्धू खुद भी बीजेपी के नेता रह चुके हैं। लेकिन अब दोनों कांग्रेस में हैं। सिद्धू पर बात करते हुए नवजोत कौर ने दावा किया कि सिद्धू का कांग्रेस के प्रति लगाव तो बहुत है लेकिन उन्हें कभी मुख्यमंत्री पद नहीं मिलेगा। मीडिया ने सवाल किया क्यों नहीं मिलेगा?

जवाब में नवजोत बोली मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ लगते हैं और हमारे पास देने के लिए इतने पैसे नहीं हैं। सिद्धू के वापस बीजेपी जाने के सवाल पर नवजोत ने कहा कि मैं खुल के बोलती हूं वो कांग्रेस के साथ अटैच्ड है। बहुत ज्यादा उनको उनके साथ प्रियंका के साथ अटैचमेंट है। पर मुझे इतनी इनफैक्टिंग में लग नहीं रहा कि कहीं भी नवजोत सिद्धू को ये प्रमोट होने देंगे। सिद्धू के वापस बीजेपी जाने के सवाल पर नवजोत ने कहा कि मैं खुल के बोलती हूं वो कांग्रेस के साथ अटैच्ड है। बहुत ज्यादा उनको उनके साथ प्रियंका जी के साथ अटैचमेंट है। पर मुझे इतनी इनफैक्टिंग में लग नहीं रहा कि कहीं भी नवजोत सिद्धू को ये प्रमोट होने देंगे। नवजोत कौर ने कहा, मैं इस बात से हैरान हूं कि एक सीधे-सादे बयान को इतना घुमा-फिराकर पेश किया गया। यह बात मैं साफ कर देना चाहती हूं कि कांग्रेस पार्टी ने हमसे कभी कुछ नहीं मांगा है। जब मुझसे किसी और पार्टी की ओर से नवजोत सिंह सिद्धू के सीएम पद का उम्मीदवार बनने के बारे में पूछा गया, तब मैंने कहा था कि हमारे पास मुख्यमंत्री पद के लिए पैसे नहीं हैं, ध्यान से सुनिए. लेकिन लोगों ने मेरे इस बयान को कांग्रेस के सीएम पद के उम्मीदवार के साथ जोड़ दिया गया, हालांकि, ऐसा बिल्कुल नहीं है।

कौर का यूटर्न- सीधे-सादे बयान को इतना घुमा-फिराकर पेश किया गया

कांग्रेस में लेन-देन का पुराना इतिहास: जाखड़

पंजाब भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उनके दावे को कांग्रेस के लेन-देन की राजनीति के इतिहास से जोड़ा। जाखड़ ने कहा कि उन्होंने सुना है कि एक पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर पद हासिल करने के लिए 350 करोड़ रुपये दिए थे।

जाखड़ ने आप सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य पुलिस को वर्दीधारी गैंगस्टर कहा और आरोप लगाया कि पंजाब पूरी तरह से कानून-व्यवस्था की स्थिति से जूझ रहा है। उन्होंने सवाल किया कि पंजाब में इतने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी क्यों हैं और कुछ अधिकारियों पर जबरन वसूली और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

कांग्रेस पूरी तरह से भ्रष्ट आचरण में डूबी हुई है: सुधांशु

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणी से पता चलता है कि कांग्रेस में नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं तक भ्रष्टाचार व्याप्त है। उन्होंने कहा है कि कोई भी व्यक्ति मुख्यमंत्री बनने के बारे में तभी सोच सकता है जब उसके सूटकेस में 500 करोड़ रुपये हों। कांग्रेस पूरी तरह से भ्रष्ट आचरण में डूबी हुई है।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार: केजरीवाल

» आप ने गोवा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गोवा के अरपोरा स्थित एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात हुए भीषण अग्निकांड में कई लोगों की दर्दनाक मौत के बाद आम आदमी पार्टी ने गोवा सरकार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, आप ने गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के इस्तीफे की मांग की है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, गोवा प्रभारी आतिशी और प्रदेश अध्यक्ष अमित पालेकर ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना को प्रशासनिक अपराध बताया। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस दुर्घटना में कई अनमोल जिंदगियां चली गईं, जो बेहद दुखद है।

उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। आतिशी ने कहा कि 23 लोगों की मौत वाली इस घटना ने गोवा में सुरक्षा मानकों की पोल खोल दी है। प्रदेश अध्यक्ष अमित पालेकर ने कहा कि यह हादसा सिलेंडर ब्लास्ट से नहीं, बल्कि शो के दौरान लगाए गए फ्लेयर्स से हुआ। हादसा यह दर्शाता है कि क्लब में कोई एग्जिट प्लान या सुरक्षा इंतजाम नहीं था। उन्होंने बताया कि पांच मरीज बर्न यूनिट में भर्ती हैं, जिनमें से एक युवती की हालत गंभीर है। पालेकर ने सरकार की ओर से घोषित किए दो लाख रुपये के मुआवजे को शर्मनाक बताते हुए कहा कि सरकार की नजर में एक इंसान की जान की कोई कीमत नहीं है।

पं. नेहरू ने रखा था भारत और रूस के रिश्ते का आधार : कु. शैलजा

» कांग्रेस की राज्यसभा सांसद भाजपा पर भड़कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा ने भारत-रूस संबंधों को लेकर मोदी सरकार पर तीखा प्रहार किया है। शैलजा ने कहा कि भारत और रूस के बीच गहरे और मजबूत संबंधों की नींव कांग्रेस शासनकाल में रखी गई थी। उन्होंने याद दिलाया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के समय रूस के साथ भारत के रिश्ते चरम पर थे। दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्र में ऐतिहासिक सहयोग किया था, जिसकी मिसाल आज भी दुनिया देती है।

कुमारी शैलजा ने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार जानबूझकर पंडित नेहरू की हर नीति और उपलब्धि को गलत ठहराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि रूस के साथ हमारी दोस्ती का आधार नेहरू जी के कार्यकाल से ही बना हुआ है और यह कांग्रेस की दूरगामी विदेश नीति का नतीजा है। भाजपा इसे भले ही नकारे, लेकिन सच्चाई यह है कि आज भी रूस भारत का सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार बना हुआ है। सांसद शैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से भारत-रूस मैत्री को मजबूत बनाए रखने की पक्षधर रही है और आगे भी चाहती है कि दोनों देशों के बीच यही पुरानी गर्मजोशी और विश्वास बना रहे।

सीएम विजयन वेणुगोपाल पर बरसे

» सार्वजनिक बहस की चुनौती की स्वीकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि वह संसद में राज्य के विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सांसदों के प्रदर्शन पर सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं। उन्होंने विपक्षी मोर्चे से इसके लिए तारीख और समय तय करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के बयान के संबंध में संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि क्या विजयन इस मामले पर खुली बहस के लिए तैयार हैं।

वेणुगोपाल का बयान वरिष्ठ वाम नेता द्वारा की गई हालिया आलोचना के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यूडीएफ सांसद संसद में केरल के विकास के मुद्दों को उठाने में विफल रहे हैं और कई अवसरों पर राज्य के हितों के खिलाफ रुख अपनाया है। विजयन ने कहा, निश्चित रूप से मैं तैयार हूं। उन्हें समय और स्थान तय करने दीजिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या वेणुगोपाल को राज्य के यूडीएफ सांसदों के प्रदर्शन की जानकारी नहीं है।

केरल को बर्बाद करने में जुटी है केंद्र सरकार

मुख्यमंत्री ने यूडीएफ सांसदों पर केरल को बर्बाद करने की केंद्र सरकार की कोशिशों में साथ देने का आरोप लगाया। विजयन ने दावा किया कि विपक्षी सांसदों ने केंद्र को राज्य के खिलाफ रुख अपनाने की सलाह भी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में केरल को अत्यधिक गरीबी मुक्त राज्य घोषित किए जाने के बाद विपक्षी सांसदों ने संसद में कुछ प्रश्न उठाकर राज्य में सभी एएवाई (अंत्योदय अन्न योजना) राशन कार्डों को समाप्त करने का प्रयास किया।

रेवंत रेड्डी के ट्रंप के नाम पर सड़क का नाम रखने पर भाजपा भड़की

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद की एक सड़क का नाम अमेरिका के राष्ट्र पति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है। तेलंगाना के सीएम का यह फैसला तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां पाने की कोशिश लग रहा है। हालांकि इसे लेकर सीएम रेवंत रेड्डी विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं। तेलंगाना भाजपा ने सीएम के इस प्रस्ताव पर तंज कसा है और उनकी आलोचना की है। तेलंगाना से भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने तेलंगाना सीएम के इस प्रस्ताव पर तंज कसा है और हैदराबाद का नाम बदलकर भाग्यनगर करने की मांग की। बंदी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, हैदराबाद का नाम बदलकर वापस भाग्यनगर कर दो। अगर कांग्रेस सरकार नाम बदलने के लिए इतनी ही बेताब है, तो उन्हें कुछ ऐसा करना चाहिए जिसका सच में इतिहास और मतलब हो।

पेरियार की धरती पर विभाजनकारी राजनीति नहीं चलेगी : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मदुरै में वीरमंगई वेलु नाचियार फ्लाईओवर का उद्घाटन किया और कहा कि उनकी सरकार विकास की राजनीति पर केंद्रित है, जबकि अन्य दल एक अलग तरह की राजनीति में संलग्न हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पेरियार की धरती पर विभाजनकारी राजनीति नहीं चलेगी।

अट्ठारहवीं शताब्दी की शिवगंगा की रानी वेलु नाचियार को व्यापक रूप से, 1772 में उनके पति की हत्या के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाली पहली भारतीय रानी के रूप में जाना जाता है। बाद में शासन के द्रविड़ मॉडल का जश्न मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में स्टालिन ने कहा, विभाजनकारी राजनीति को पराजित किया जाएगा क्योंकि पेरियार द्वारा जलाई गई आग अभी भी तमिलनाडु में जल रही है।

ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन टेस्ट आठ विकेट से जीता

» इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में हासिल की 2-0 की बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ब्रिसबेन। मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर के शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में आठ विकेट से हराया। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 241 रन बनाए और 64 रनों की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन दूसरी पारी में दो विकेट पर 69 रन बनाकर जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए डे-नाइट टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने पहली पारी में 334 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 511 रन बनाकर 177 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी।

दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी खराब रही और एक समय लगा कि टीम को पारी से हार का सामना करना पड़ेगा, लेकिन चौथे दिन कप्तान बेन स्टोक्स और विल जैक्स ने पारी को संभाला। स्टोक्स ने अर्धशतक लगाया जिससे इंग्लैंड की टीम मामूली बढ़त हासिल करने में सफल रही। ऑस्ट्रेलिया को 69 रनों का लक्ष्य हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले पर्थ टेस्ट में भी जीत दर्ज की थी। स्टार्क ने कुल आठ विकेट झटके जिसमें पहली पारी में छह विकेट लेना शामिल है। वहीं, नेसर ने पहली पारी में एक विकेट लिया और दूसरी पारी में पांच विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को गस एटकिंसन ने दो झटके दिए। हालांकि, ट्रेविस हेड और जैक वीदरएल्ड ने अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन एटकिंसन ने हेड को बोल्ड कर दिया। इसके बाद एटकिंसन ने मार्नस लाबुशेन को जैमी स्मिथ के हाथों कैच कराया। फिल वीदरएल्ड और स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। स्मिथ ने नाबाद 23 रन बनाए, जबकि वीदरएल्ड ने नाबाद 17 रन बनाए।

अभिषेक एक वर्ष में 100 छक्के लगाने वाले बने पहले भारतीय

नई दिल्ली। विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा लिया है। वे एक कैलेंडर वर्ष में 100 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। यह कारनामा उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में सर्विसेज के खिलाफ राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच के दौरान किया। इस मैच में अभिषेक ने सिर्फ 34 गेंदों पर 62 रनों की तूफानी पारी खेली। उनकी पारी में आठ चौके और तीन छक्के शामिल थे। इसी पारी के दौरान उन्होंने साल के 100वें छक्के का आंकड़ा पार किया। अब तक वे 2025 में सिर्फ 36 टी20 पारियों में 101 छक्के जड़ चुके हैं। उन्होंने 36 टी20 पारियों में 42.82 के औसत और 204.22 के स्ट्राइक रेट से 1499 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और नौ अर्धशतक शामिल हैं।

वंदेमातरम् को लेकर संसद में हंगामा, बहस शुरू

150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में लोस में 10 घंटे चलेगी चर्चा

» पीएम के भाषण पर विपक्ष का वार

» प्रियंका गांधी व गौरव गोगोई भी रखेंगे विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में भारत की सबसे प्रतिष्ठित देशभक्ति रचनाओं में से एक, वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर एक दिन की विशेष चर्चा शुरू हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बहस की शुरुआत किया। सोमवार को 7 नवंबर से शुरू हो रहे एक साल के राष्ट्रीय उत्सव के तहत 10 घंटे की इस चर्चा की शुरुआत हुई कई वरिष्ठ नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। इस सत्र में इस गीत की उत्पत्ति, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसके महत्व और भारत की सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पहचान पर इसके स्थायी प्रभाव पर फिर से चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के मौके पर सोमवार को लोकसभा में दोपहर 12 बजे के बाद चर्चा शुरू हुई, जिसके पहले वक्ता पीएम मोदी हैं।

सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बताया गर्व का क्षण

वंदेमातरम का स्मरण करना इस सदन में हम सबका सौभाग्य : मोदी

150 वर्ष पूरे होने पर विशेष बहस शुरू हो चुकी है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरुआत की. संसद में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर विशेष चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन को संबोधित करते हुए कहा, जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है। वंदे मातरम के साथ विश्वासघात हुआ। इसे विवादों में घसीटा गया. मुस्लिम लीग ने इसका विरोध किया। जिन्ना ने 1937 में इसका विरोध किया। नेहरू ने मुस्लिम लीग की निंदा नहीं की। जिन्ना के विरोध के बाद नेहरू को कुर्सी का खतरा लगा. जिन्ना के विरोध के बाद नेहरू को डर लगा। वंदे मातरम के कुछ शब्दों पर मुस्लिमों को ऐतराज था.। कांग्रेस ने इसकी समीक्षा की बात की। कांग्रेस ने वंदे मातरम के टुकड़े कर दिए। कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के दबाव में फैसला लिया।

नेहरू के समय में वंदे मातरम से कुछ पंक्तियां हटाई गई थीं

वंदे मातरम चर्चा पर, भाजपा सांसद अरुण गोविल ने कहा कि यह राष्ट्रीय गीत गीत के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है और नेहरू के समय में देवी-देवताओं को समर्पित कुछ पंक्तियाँ इसमें से हटा दी गई थीं। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम पर कई बार सवाल उठाए गए हैं, इसलिए इस मुद्दे पर बहस ज़रूरी थी। दरअसल, यह कोई बहस नहीं, बल्कि वंदे मातरम के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भाजपा का प्रयास है। जवाहरलाल नेहरू के समय में, देवी-देवताओं को समर्पित कुछ पंक्तियाँ वंदे मातरम में से हटा दी गई थीं।

वंदेमातरम पर चर्चा से पहले कांग्रेस सांसद ने जताया विरोध

संसद में वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर होने वाली चर्चा पर कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि प्रधानमंत्री आज इस पर चर्चा करेंगे, लेकिन राज्यसभा सचिवालय के बुलेटिन, भाग दो, 65855, राज्यसभा सदस्यों की पुस्तिका में कहा गया है कि वंदे मातरम गाना संसद की मर्यादा के विरुद्ध है।

कांग्रेस की तरफ से मुख्य वक्ताओं में गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी का नाम है। वंदे मातरम पर करीब दस घंटे चर्चा होनी है। यानी लोकसभा के सोमवार देर रात तक चलने की संभावना है। दलित नेता और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने वंदे मातरम पर चर्चा को गर्व का क्षण बताया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस पर सकारात्मक चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि ऐसी कई बातें हैं जिन पर चर्चा होनी चाहिए और मैं भी कई बातों पर चर्चा की मांग कर रहा हूं। यह हमारा राष्ट्रीय गीत है और जब हम इसे गाते हैं तो हमें गर्व होता है... हम क्रांतिकारियों का सम्मान करने वाले लोग हैं। यह गर्व का क्षण है और इस पर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए।

गोवा नाइट क्लब रोमियो लेन का मैनेजर गिरफ्तार

» 25 मौतों के मामले में दिल्ली से दबोचा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गोवा के अरपोरा में स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मैनेजर भारत को गोवा पुलिस ने उत्तरी जिला के सब्जी मंडी इलाके से गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइंस इलाके में भी इसका रोमियो लेन नाम से रेस्तरां है।

रोमियो लेन नाइट क्लब में शनिवार देर रात को हुई दर्दनाक घटना में अभी तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि छह लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। पुलिस के अनुसार, नाइट क्लब का मालिक सौरभ लूथरा अभी नहीं पकड़ा गया है। वह घटना के बाद से फरार है। घटना के बाद भारत गोवा से भागकर दिल्ली अपने घर पर आ गया था। गोवा पुलिस की सूचना पर गोवा पुलिस ने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर रविवार रात भरत को अरेस्ट कर लिया। गोवा में बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब राजधानी पणजी से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह क्लब रात को लगभग 1 बजे शुरू होता है। हादसे के दौरान क्लब में लगभग 100 लोग मौजूद थे। एक बजने में समय था, इसलिए लोग धीरे-धीरे क्लब में इक्ट्ठा हो रहे थे। बर्च बाय रोमियो लेन क्लब के इंस्टाग्राम पेज के अनुसार, शनिवार की रात को क्लब में बॉलीवुड बैंगर नाइट का आयोजन होना था। इसके लिए क्लब में डीजे और डांसर भी आने वाले थे। एक बजे से डीजे नाइट की शुरुआत होनी थी। हालांकि, इससे पहले 12: 04 बजे ही हादसा हो गया।

तेजस्वी यादव के पॉडकास्ट पर बिहार में मचा बवाल

» नेता प्रतिपक्ष पर भाजपा नेता ने किया पलटवार

» शैलेन्द्र ने पूर्व डिप्टी सीएम के स्वभाव और जीवन शैली पर उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तेजस्वी यादव को लेकर भाजपा नेता का बयान अब चर्चा में है। भाजपा नेता इंजीनियर शैलेन्द्र ने तेजस्वी यादव के बयान के बाद उनके संबंध में कई बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का स्वभाव भी अय्यास वाला है। उनका जीवन शैली भी उसी तरह का है। लोकतंत्र के इस पवित्र मंदिर में जनता ने तेजस्वी यादव को बिहार की समस्या को उठाने के लिए भेजा है। अगर एक दो सीट कम हो जाता, तो तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष भी नहीं बन पाते, लेकिन तेजस्वी यादव उनकी भावनाओं को ठुकराकर विदेश चले गए। यह अपराध है।

भाजपा नेता इंजीनियर शैलेन्द्र ने कहा कि तेजस्वी यादव बिहार से बाहर जाकर पॉडकास्ट कर रहे हैं कि बिहार में जो चुनाव हुआ है उसमें लोकतंत्र की हार हुई है और मशीनरी की जीत हुई है। इसको लेकर उनकी न कोई सोच है ना विजन है। अगर उनकी सोच थोड़ी सी भी होती तो कम से कम यह बात वह नहीं कहते। भाजपा नेता इंजीनियर शैलेन्द्र ने कहा कि राजद ने जो दस सीट जीता है, क्या उस समय हमारी मशीनरी नहीं काम कर रही थी? रामगढ़ से जो हमारे अशोक जी हारे, ढाका से जो पवन जायसवाल हारे, फारबिसगंज से विद्यासागर केसरी सहित 10 विधायक जो कम वोट से हारे, तो क्या वहां हमारे मशीनरी काम नहीं कर रहे थे? तेजस्वी यादव नेता नहीं हैं, राजनीति उन्हें विरासत में मिली है। उन्होंने कहा कि राजनीति में अभी उनकी उम्र भी क्या है? राजद मतलब लालू यादव। भाजपा नेता इंजीनियर शैलेन्द्र ने कहा कि लालू जी एक गंभीर आदमी थे जनता का नब्ज टटोलना जानते थे और 15 साल राज किया। तेजस्वी यादव यह सब देखे फिर भी कभी सीख नहीं पाए। अभी-अभी जो चुनाव हुआ है, जिसमें एनडीए 202 सीट लायी, उनको यह हार पच नहीं पाया।

तेजस्वी यादव के अभी और भी बुरे दिन आने वाले हैं

भाजपा नेता इंजीनियर शैलेन्द्र ने कहा कि जो आदमी चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं उन्हें तो सीधे न्यायालय जाना चाहिए। हर बूथ पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए थे और पूरी पारदर्शिता रखी गई, लेकिन इतनी पारदर्शिता के बाद भी अगर कोई सवाल उठाता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। तेजस्वी यादव कभी सरवाइव नहीं कर पाएंगे, तेजस्वी यादव के और भी बुरे दिन आने वाले हैं। इसलिए कम से कम अपनी जनता पर रहम कीजिए। इस बार सरकार उद्योग लगाएगी, इस बार सरकार किसानों के लिए काम करेगी। इस बार सरकार युवाओं के लिए काम करेगी। आप बिहार जाईये, काम करवाईये और क्रेडिट भी आप ही लीजिए।

अभिनेता दिलीप को हाईकोर्ट से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एर्नाकुलम के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय ने सोमवार (8 दिसंबर) को 2017 के अभिनेत्री बलात्कार और अपहरण मामले में मलयालम अभिनेता दिलीप को बरी कर दिया। श्रीमती हनी एम. वर्गीस ने आज खुली अदालत में यह फैसला सुनाया, जिससे 8 साल से चल रहे मुकदमे का अंत हो गया। न्यायाधीश ने पल्सर सुनी (ए1), मार्टिंग एंटनी (ए2), बी मणिकंदन (ए3), वीपी विजेश (ए4), एच सलीम (ए5), और सी प्रदीप (ए6) को बलात्कार, षडयंत्र, अपहरण और अन्य अपराधों का दोषी पाया. उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 340, 354, 366, 354बी और 376डी के तहत अपराधों का दोषी पाया गया है।

2017 के यौन उत्पीड़न मामले में हुए बरी

उनकी सज़ा 12 दिसंबर को सुनाई जाएग। यह मामला एक प्रमुख मलयालम अभिनेत्री के अपहरण और कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ा है 17 फरवरी, 2017 को कोच्चि में उनकी कार के अंदर लगभग दो घंटे तक उनके साथ छेड़छाड़ की गई थी। इस दिल दहला देने वाले मामले में 10 दस आरोपियों पर केस दर्ज किया गया था, जिनमें पल्सर सुनी, मार्टिन एंटनी, मणिकंदन बी, विजेश वीपी, सलीम एच, प्रदीप, चार्ली थॉमस, दिलीप, सानिल कुमार उर्फ मेस्थरी सानिल और शरथ शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट का इंडिगो मामले में सुनवाई से इंकार

» कोर्ट बोला- केंद्र सरकार पहले ही इस मामले पर संज्ञान ले चुकी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिगो की कई उड़ानों के अचानक कैंसिल होने से देशभर के एयरपोर्ट पर यात्रियों की परेशानी को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तात्कालिक सुनवाई से इनकार कर दिया। इस मामले में एक वकील ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष मामले का जिक्र करते हुए कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना के कई उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वकील ने इसे गंभीर मुद्दा बताया और तुरंत दखल देने की मांग की।

हालांकि, पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार पहले ही इस मामले पर संज्ञान ले चुकी है और फिलहाल तत्काल दखल की आवश्यकता नहीं है। सीजेआई सूर्य कांत ने कहा, हम समझते हैं कि लाखों लोग एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं जिन्हें जरूरी काम है, स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति है। लेकिन भारत सरकार ने इस मुद्दे पर संज्ञान लिया है। समय पर कार्रवाई होती दिख रही है। देखते हैं कुछ समय में स्थिति कैसे विकसित होती है। अभी तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

इंडिगो का परिचालन संकट बरकरार

इंडिगो में जारी परिचालन संकट अभी भी जारी है। दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर सोमवार को भी इंडिगो की उड़ानें रद्द हो रही हैं और उनमें देरी हो रही है। हालात को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट ने सोमवार को सुबह साढ़े छह बजे यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की और एडवाइजरी में बताया कि उड़ानों में देरी हो सकती है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने कहा कि घर से निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक जरूर करें ताकि एयरपोर्ट पर परेशानी का सामना न करना पड़े।

350 से ज्यादा उड़ानें रद्द

सोमवार को 350 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई हैं, जिनमें अहमदाबाद हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह 8 बजे तक इंडिगो की 18 उड़ानें रद्द हुईं। बंगलूरू हवाई अड्डे पर 127 उड़ानें रद्द हुई हैं। वहीं हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 77, दिल्ली एयरपोर्ट पर 134 उड़ानें रद्द हुई हैं। चेन्नई, अहमदाबाद और असम के एयरपोर्ट्स पर टर्मिनल एरिया में भारी भीड़ है। इस तरह बीते करीब एक सप्ताह में इंडिगो की करीब चार हजार उड़ानें रद्द हो चुकी हैं, जिससे देश का हवाई यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। सरकार के दखल के बावजूद अभी तक हालात सामान्य नहीं हो सके हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।